● पढ़ो, समझो और गाओ :

७. करना है निर्माण

– गौकरन वर्मा

रचनाएँ : उठो साथियो कदम मिलाकर, करने दूर अंधेरा, **परिचय :** एक सफल क्रांती गीत के निर्माता के रूप में प्रसिद्ध । प्रस्तुत कविता में भारत की महिमा एवं उसकी सुंदरता को बताया गया है ।

*** चित्र के आधार पर काल संबंधी वाक्य बनाओ और समझो :**

कल ⟵ आज ⟶ कल

करना है निर्माण हमें नव भारत का निर्माण
हमें हमारे देश की जग में बढ़ानी होगी शान ।
करना है निर्माण...।।

यही हमारी सब धरती हो खेतों में हरियाली
फूल-फलों से झूम रही हो बन-बन, डाली-डाली
नदी-नहर-सरवर-बरखा के जल से बरसे धान ।
करना है निर्माण...।।

❑ कविता में आए काल (करना है, बढ़ानी होगी) समझाएँ । काल के भेदों सहित अन्य वाक्य कहलवाएँ और दृढ़ीकरण करवाएँ । विद्यार्थियों से कविता को हाव-भाव के साथ सामूहिक गवाएँ। भावार्थ समझाकर अर्थ पूछें। उनमें देशप्रेम की भावना जगाएँ ।

जरा सोचो ..... बताओ

यदि हिमालय की बर्फ पिघलनी बंद हो जाए तो .....

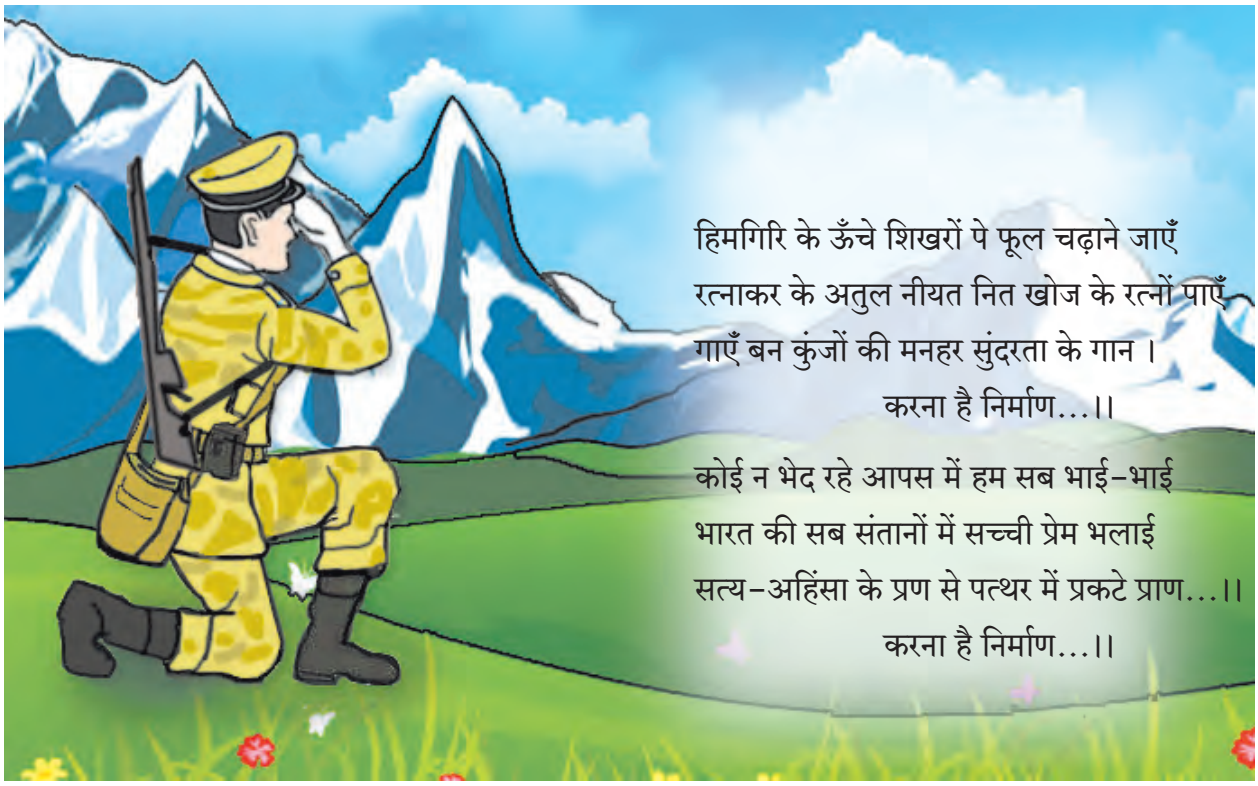

हिमगिरि के ऊँचे शिखरों पे फूल चढ़ाने जाएँ
रत्नाकर के अतुल नीयत नित खोज के रत्नों पाएँ
गाएँ बन कुंजों की मनहर सुंदरता के गान ।
करना है निर्माण...।।

कोई न भेद रहे आपस में हम सब भाई-भाई
भारत की सब संतानों में सच्ची प्रेम भलाई
सत्य-अहिंसा के प्रण से पत्थर में प्रकटे प्राण...।।
करना है निर्माण...।।

मैंने समझा

शब्द वाटिका

नए शब्द

नव = नया
सरवर = तालाब
हिमगिरि = हिमालय
रत्नाकर = समुद्र
अतल = अथाह, बहुत गहरा
नीर = पानी
मनहर = मनोहर

खोजबीन

'परमवीर चक्र' पुरस्कार प्राप्त सैनिकों की सूची बनाओ ।
देखें (www.paramvirchakra.com)

सुनो तो जरा

देशभक्ति पर आधारित कविता सुनो और सुनाओ ।

बताओ तो सही

अपने परिवेश में शांति किस प्रकार स्थापित की जा सकती है।

वाचन जगत से

वैज्ञानिक की जीवनी पढ़ो और उसके आविष्कार लिखो ।

मेरी कलम से

क्रमानुसार भारत के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री के नाम लिखो ।

*** इस कविता के आधार पर भारत की विविधता एवं विशेषताएँ सात–आठ वाक्यों में लिखो ।**

सदैव ध्यान में रखो

ऐतिहासिक इमारतों का संरक्षण करना हमारा कर्तव्य है ।

विचार मंथन

।। स्वतंत्रता मेरा जन्म सिद्ध अधिकार है ।।

स्वयं अध्ययन

*** नीचे दिए गए राष्ट्रीय प्रतीकों के चित्र देखो और उनके नाम लिखो :**

भाषा की ओर

निम्नलिखित शब्दों में उपसर्ग और प्रत्यय लगाकर लिखो ।

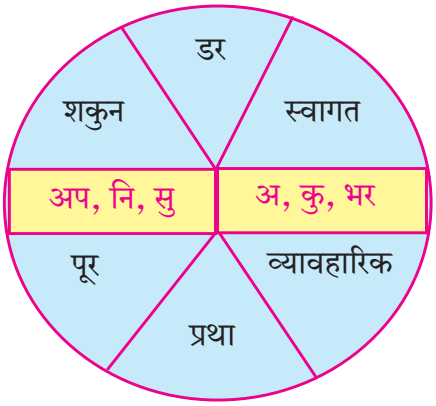

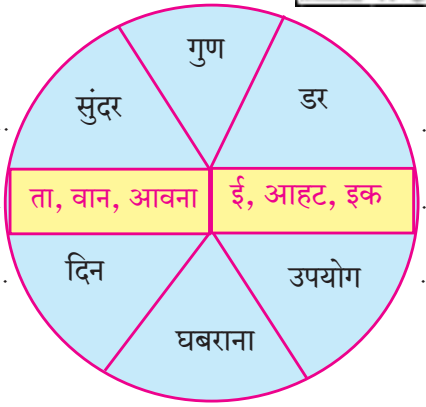

* स्वयं अध्ययन-२ *

* चित्रवाचन करके अपने शब्दों में कहानी लिखो और उचित शीर्षक बताओ :

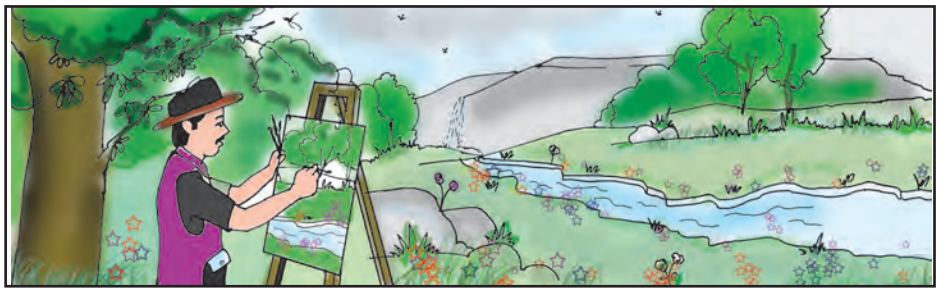

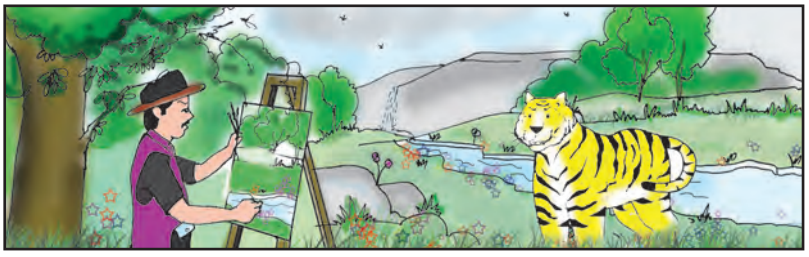

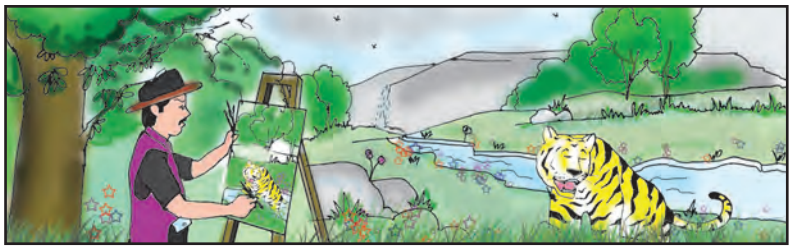

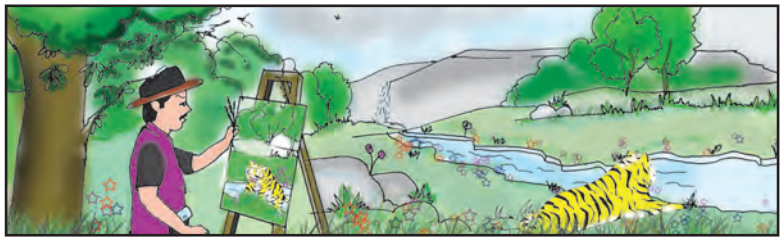

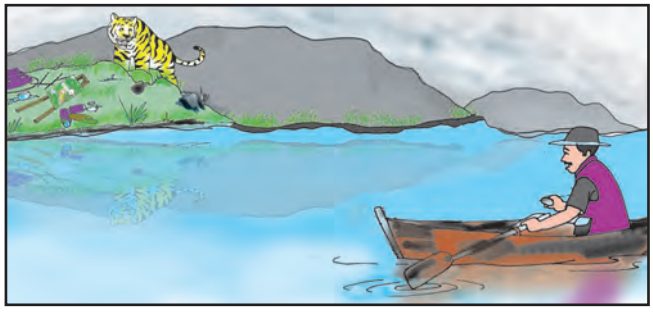

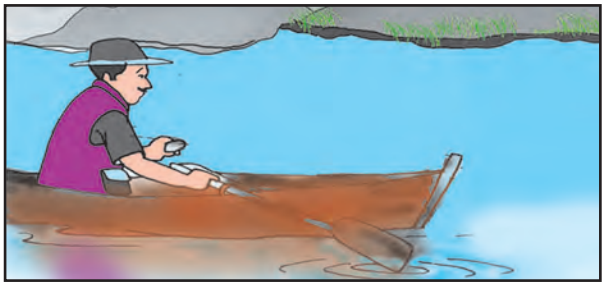

- विद्यार्थियों से ऊपर दिए गए चित्रों का क्रमानुसार निरीक्षण कराएँ । चित्र में कौन-कौन-सी घटनाएँ घटी होंगी, उन्हें सोचने के लिए कहें । उन्हें अन्य चित्रों एवं घटनाओं के आधार पर कहानी लिखने के लिए प्रेरित करें और उचित शीर्षक देने के लिए कहें ।

* पुनरावर्तन – २ *

१. शाक (पत्तोंवाली) और सब्जियों के पाँच–पाँच नाम सुनो और सुनाओ ।

२. एक महीने की दिनदर्शिका बनाओ और विशेष दिन बताओ ।

३. १ से १०० तक की संख्याओं का मुखर वाचन करो ।

४. अपना परिचय देते हुए परिवार के बारे में दस वाक्य लिखो ।

५. अक्षर समूह में से वैज्ञानिकों के उचित नाम बताओ और लिखो :

मी	भा	हो	भा		
नी	से	ज	भि	र	
मं	बं	जू	स	ल	
स्क	रा	र्य	भा	चा	
जे.	क	म	ला	ए.	पी.
जा	अ	न	म्म	की	ल
ना	व	क	ला	चा	ल्प

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

कृति/उपक्रम

अपने बारे में भाई/बहन से सुनो ।	इस वर्ष तुम कौन–सा विशेष कार्य करोगे, बताओ ।	सप्ताह में एक दिन कहानियाँ पढ़ो ।	पढ़ी हुई सामग्री की विश्लेषणात्मक प्रस्तुति करो ।

दो शब्द

यह पाठ्यपुस्तक विद्यार्थियों के पूर्व ज्ञान को दृष्टि में रखते हुए भाषा के नवीन एवं व्यावहारिक प्रयोगों तथा विविध मनोरंजक विषयों के साथ आपके सम्मुख प्रस्तुत है । पाठ्यपुस्तक को स्तरीय (ग्रेडेड) बनाने हेतु दो भागों में विभाजित करते हुए उसका 'सरल से कठिन की ओर' क्रम रखा गया है। यहाँ विद्यार्थियों के पूर्व अनुभव, घर-परिवार, परिसर को आधार बनाकर श्रवण, भाषण-संभाषण, वाचन, लेखन के भाषाई मूल कौशलों के साथ भाषा अध्ययन और अध्ययन कौशल पर विशेष बल दिया गया है । इसमें स्वयं अध्ययन एवं चर्चा को प्रेरित करने वाली रंजक, आकर्षक, सहज और सरल भाषा का प्रयोग किया गया है ।

पाठ्यपुस्तक में आए शब्दों और वाक्यों की रचना हिंदी की व्यावहारिकता को ध्यान में रखकर की गई है । इसमें क्रमिक एवं श्रेणीबद्ध कौशलाधिष्ठित अध्ययन सामग्री, अध्यापन संकेत, अभ्यास और उपक्रम भी दिए गए हैं । विद्यार्थियों के लिए लयात्मक कविता, बालगीत, कहानी, संवाद, पत्र आदि विषयों का समावेश हैं । स्वयं की अभिव्यक्ति, कल्पनाशीलता के साथ-साथ वैविध्यपूर्ण स्वाध्याय के रूप में 'जरा सोचो....', 'खोजबीन', 'मैंने समझा', 'अध्ययन कौशल' आदि कार्यात्मक कृतियाँ भी दी गई हैं । सृजनशील गतिविधियों को बढ़ावा देने वाले अभ्यास 'मेरी कलम से', 'वाचन जगत से', 'बताओ तो सही', 'सुनो तो जरा', 'स्वयं अध्ययन' तथा 'विचार मंथन' आदि का समावेश किया गया है । इन कृतियों में एक दृष्टिकोण रखने का प्रयास किया है जिसे समझकर विद्यार्थियों तक पहुँचाना और उनसे करवाना है ।

शिक्षकों एवं अभिभावकों से यह अपेक्षा है कि अध्ययन-अनुभव देने से पहले पाठ्यपुस्तक में दिए गए अध्यापन संकेत एवं दिशा निर्देशों को अच्छी तरह समझ लें । सभी कृतियों का विद्यार्थियों से अभ्यास करवाएँ । स्वाध्याय में दिए गए निर्देशों के अनुसार पाठ्यसामग्री उपलब्ध कराते हुए उचित मार्गदर्शन करें तथा आवश्यक गतिविधियाँ स्वयं करवाएँ । व्याकरण (भाषा अध्ययन) को समझने हेतु 'भाषा की ओर'के अंतर्गत चित्रों तथा भाषाई खेलों को दिया गया है ताकि पुनरावर्तन और नए व्याकरण का ज्ञान हो । पारंपरिक पद्धति से व्याकरण पढ़ाना अपेक्षित नहीं है ।

आवश्यकतानुसार पाठ्येतर कृतियों, खेलों, संदर्भों, प्रसंगों का समावेश करें । शिक्षक एवं अभिभावक पाठ्यपुस्तक के माध्यम से जीवन मूल्यों, जीवन कौशलों, मूलभूत तत्त्वों के विकास का अवसर विद्यार्थियों को प्रदान करें । पाठ्यसामग्री का मूल्यांकन निरंतर होने वाली प्रक्रिया है इससे विद्यार्थी परीक्षा के तनाव से मुक्त रहेंगे । पाठ्यपुस्तक में अंतर्निहित सभी क्षमताओं-श्रवण, भाषण-संभाषण, वाचन, लेखन, भाषा अध्ययन (व्याकरण) और अध्ययन कौशल का सतत मूल्यांकन अपेक्षित है ।

विश्वास है कि आप सब अध्ययन-अध्यापन में पाठ्यपुस्तक का उपयोग कुशलतापूर्वक करेंगे और हिंदी विषय के प्रति विद्यार्थियों में अभिरुचि और आत्मीयता की भावना जागृत करते हुए उनके सर्वांगीण विकास में सहयोग देंगे ।

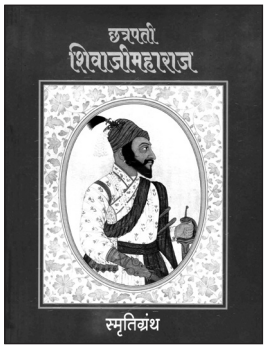

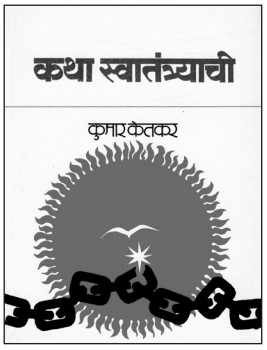

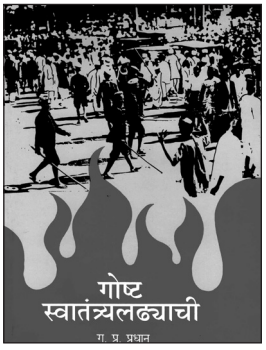

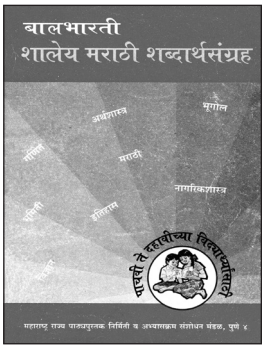

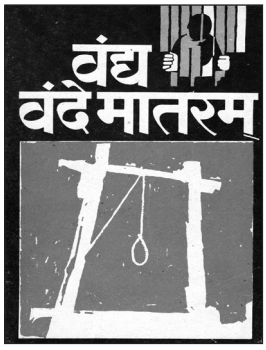

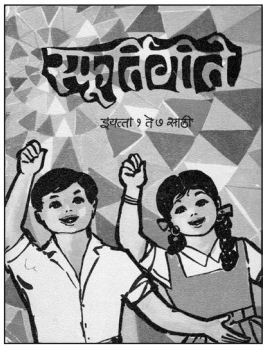

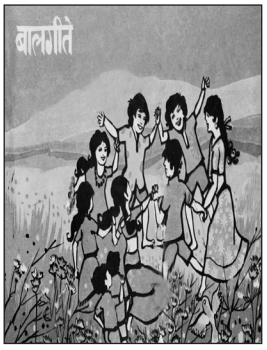

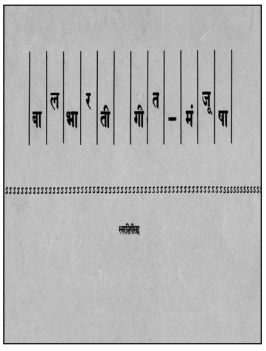

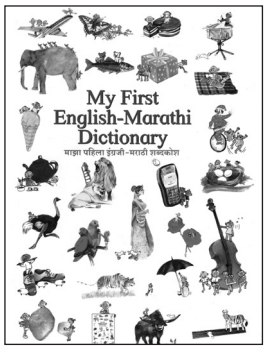

- पाठ्यपुस्तक मंडळाची वैशिष्ट्यपूर्ण पाठ्येत्तर प्रकाशने.
- नामवंत लेखक, कवी, विचारवंत यांच्या साहित्याचा समावेश.
- शालेय स्तरावर पूरक वाचनासाठी उपयुक्त.

पुस्तक मागणीसाठी www.ebalbharati.in, www.balbharati.in संकेत स्थळावर भेट द्या.

साहित्य पाठ्यपुस्तक मंडळाच्या विभागीय भांडारांमध्ये विक्रीसाठी उपलब्ध आहे.

ebalbharati

विभागीय भांडारे संपर्क क्रमांक : पुणे - ☎ २५६५९४६५, कोल्हापूर- ☎ २४६८५७६, मुंबई (गोरेगाव) - ☎ २८७७१८४२, पनवेल - ☎ २७४६२६४६५, नाशिक - ☎ २३९१५११, औरंगाबाद - ☎ २३३२१७१, नागपूर - ☎ २५४७७१६/२५२३०७८, लातूर - ☎ २२०९३०, अमरावती - ☎ २५३०९६५

महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ, पुणे.

हिंदी सुगमभारती इ. ६ वी

₹ २७.००